X

हिंदी

उत्तर-सूचिका

HINDI WORKSHEET

16

तिरुवनंतपुरम शैक्षिक जिला

Thiruvananthapuram Educational District

I

कार्य–पत्रिका 16

दिशाहीन दिशा

मोहन राकेश यात्रा वृत्त

कक्षा 10

अब्दुल जब्बार एवं अविनाश के साथ भोपाल ताल की सैर के अनुभवों को एक पत्र के ज़रिए मोहन राकेश अपने मित्र से बाँटना चाहता है। उनकी मदद करें। सूचनाओं की सहायता लें।

- एक दिन उसके साथ रहने का निश्चय किया।
- उस गज़ल में हम विलीन हो गए।

- नाव लेकर झील की सैर करने की इच्छा हुई।
- अगली यात्रा में तुझे भी साथ लेने की इच्छा है।

POSTCARD

स्थान,
तारीख।

प्रिय मित्र,

तुम कैसे हो ? एक विशेष बात बताने के लिए यह पत्र लिख रहा हूँ।गोआ की यात्रा के बीच भोपाल स्टेशन पर मेरा एक मित्र अविनाश मुझसे मिलने आया। एक दिन उसके साथ रहने का निश्चय किया। ....

रात ग्यारह बजे के बाद हम दोनों घूमने निकले। भोपाल ताल के पास आते समय नाव लेकर झील की सैर करने की इच्छा हुई। ....

बहुत ही सुंदर लग रही थी।अविनाश की इच्छा हुई कोई कुछ गाएँ। बूढ़ा मल्लाह अब्दुल जब्बार ने गालिब की कुछ गजलें प्रस्तुत की। बहुत मीठा था उनका स्वर।

उस गज़ल में हम विलीन हो गए। ....

वास्तव में यह सैर बहुत मज़ेदार और दिल को छूने वाला था। अगली यात्रा में ....
तुझे भी साथ लेने की इच्छा है। ....

सब को मेरा नमस्कार कहना। जवाब की प्रतीक्षा से।

आपका मित्र,
हस्ताक्षर,
नाम

सेवा में
नाम,
पता।

Thiruvananthapuram Educational District

II

इकाई 5
बच्चे काम पर जा रहे हैं राजेश जोशी

कविता

कक्षा 10

' बच्चे काम पर जा रहे हैं ' कविता पर ध्यान दें और समानार्थी पंक्तियाँ कविता से ढूँढ निकालें।

कोहरे से ढँकी सड़क पर बच्चे काम पर जा रहे हैं
सुबह-सुबह
बच्चे काम पर जा रहे हैं
हमारे समय की सबसे भयानक पंक्ति है यह
भयानक है इसे विवरण की तरह लिखा जाना
लिखा जाना चाहिए इसे सवाल की तरह

काम पर क्यों जा रहे हैं बच्चे?
क्या अंतरिक्ष में गिर गई हैं सारी गेंदें
क्या दीमकों ने खा लिया है
सारी रंग-बिरंगी किताबों को
क्या काले पहाड़ के नीचे दब गए हैं सारे
खिलौने

क्या किसी भूकंप में ढह गई हैं
सारे मदरसों की इमारतें
क्या सारे मैदान, सारे बगीचे और घरों के आँगन
खत्म हो गए हैं एकाएक
तो फिर बचा ही क्या है इस दुनिया में?
कितना भयानक होता अगर ऐसा होता
भयानक है लेकिन इससे भी ज़्यादा यह
कि हैं सारी चीज़ें हस्बमामूल

पर दुनिया की हज़ारों सड़कों से गुज़रते हुए
बच्चे, बहुत छोटे-छोटे बच्चे
काम पर जा रहे हैं।

- यह हमारे समय की सबसे भयानक पंक्ति है। यह इतनी भयानक समस्या हैं कि विवरण की तरह नहीं लिखा जा सकता।
  हमारे समय की सबसे भयानक पंक्ति है यह
  भयानक है इसे विवरण की तरह लिखा जाना
- खेलने की जगहों से बच्चे वंचित हैं।
  क्या सारे मैदान सारे बगीचे और घरों के आंगन
  खत्म हो गए हैं एकाएक
- बच्चों की गेंदें सदा के लिए नष्ट हुए हैं।
  क्या अंतरिक्ष में गिर गई है सारी गेंदे
- इस संसार में बच्चों के लिए कुछ बचा नहीं।
  तो फिर बचा ही क्या है इस दुनिया में
- क्या सभी स्कूलों के मक्कान भूकंप में खराब हो गए हैं।
  क्या किसी भूकंप में ढह गई है
  सारे मदरसों की इमारतें
- ठंड के मौसम में बड़े सवेरे बच्चे काम पर जा रहे हैं।
  कोहरे से ढकी सड़क पर बच्चे काम पर जा रहे हैं
  सुबह सुबह

Thiruvananthapuram Educational District

III

बालश्रम के विरुद्ध पोस्टर तैयार करें। सूचनाओं की सहायता लें

समस्या नागरिक
अपराध उन्मूलन

Thiruvananthapuram Educational District

बालश्रम दुनिया की एक भीषण.....समस्या..... है।

बालश्रम का ....उन्मूलन.... करें

आज के बच्चे कल के....नागरिक.... हैं।

बालश्रम कानूनी.....अपराध.....है।

IV

गुठली तो पराई है

कनक शशि

कहानी

कक्षा 10

' गुठली तो पराई है ' कहानी का यह अंश पढ़ें और अनुबद्ध प्रश्नों का उत्तर लिखें ।

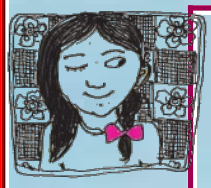

यूँ तो बड़ी बुआ गुठली को अच्छी लगती हैं पर उनसे बात करना उसे कुछ खास पसंद नहीं। वैसे बातें अगर खाने की या उनके बचपन की हों तो ठीक है, पर नसीहतें... उफ़ !! "ऐसा मत करो"

"ऐसे पट-पट मत बोलो", "ऐसे धम-धम मत चलो..."। एक दिन गलती से उसने पूछ ही लिया, "क्यों?" तो बस शुरू हो गई, "अरे छोरी, लोग नाम तो तेरी माँ को ही रखेंगे। कहेंगे कुछ सिखाया ही नहीं। ऐसे ही करेगी क्या अपने घर जाकर?

गुठली बोली, "अपना घर? यही तो है मेरा घर, जहाँ मैं पैदा हुई।" बुआ हँसके बोली, "अरी बेवकूफ़ यह घर तो पराया है। बाकी लड़कियों की तरह तू भी किसी और की अमानत है। ससुराल ही तेरा असली घर होगा। जैसे देख, पैदा तो मैं भी इसी घर में हुई थी, पर अब तेरे फूफाजी का घर ही मेरा घर है। कुछ समझी?"

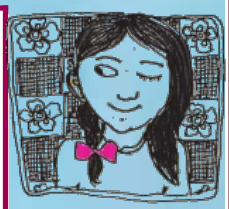

Thiruvananthapuram Educational District

- ' बड़ी बुआ ' में बड़ी किसको सूचित करता है ?
  (संज्ञा, क्रिया, विशेषण)
  विशेषण .....

- ' सदुपदेश ' के लिए प्रयुक्त शब्द कौन–सा है ?
  (पट–पट, धम–धम, नसीहत)
  नसीहत .....

- ' तेरी ' में निहित सर्वनाम कौन–सा है ?
  (वह, यह, तू)
  तू .....

- ' अपना घर ! यही तो है मेरा घर जहाँ मैं पैदा हुई ।
  किसने किससे कहा ?
  (गुठली ने बुआ से, बुआ ने गुठली से , माँ ने गुठली से)
  गुठली ने बुआ से .....

- ' लोग नाम तो तेरी माँ को ही रखेंगे '
  यहाँ रखेंगे क्रिया किससे संबंध रखते है ?
  (लोग, नाम, माँ)
  लोग .....

V

कक्षा 10

माँ को बुआ का साथ देता देख गुठली गुस्से के साथ उदास भी हो गई और सीढ़ियों पर बैठ गई। अब तक अपनी माननेवाली चीजें पराई होने लगी थी। । तब उसे ढूँढ़ती माँ वहाँ आ पहुँची ।उस समय गुठली और माँ के बीच क्या–क्या बातें हुई होंगी। कल्पना करके लिखें।

सूचनाओं की मदद लें

- गुठली बेटी ! तू इधर आकर बैठी है क्या ?
- इस घर में किसी को भी मुझसे प्यार नहीं। अब मैं यह समझ गई हूँ। मैं तो पराई हूँ न ?

- अरे .... ऐसी बातें मत करो। तुम तो मेरी लाड़ली हो न ?
- नहीं माँ, मैं नहीं मानती। यह मेरा अपना घर है ।यही सत्य है।

Thiruvannapuram Educational District

क्या ! मैं इधर बैठ भी न सकती ?

गुठली बेटी ! तू इधर आकर बैठी है क्या ?

इस घर में किसी को भी मुझसे प्यार नहीं। अब मैं यह समझ गई हूँ। मैं तो पराई हूँ न ?

तू इतनी नाराज क्यों है बेटी ? बात क्या है ?

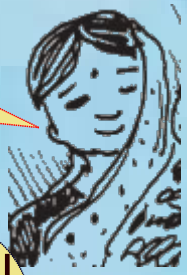

मैं सब जानती हूँ। माँ को भी मुझसे प्यार नहीं है। नहीं तो, बुआ के साथ मिलकर मुझे पराई नहीं कहती।

अरे .... ऐसी बातें मत करो। तुम तो मेरी लाड़ली हो न ?

प्यारी बेटी ! बुआ की बात का बुरा मत मान। जो कल होना है उसे लेकर आज क्यों परेशान होना? छोड़ दो बेटी ये सब, आ...आकर चाय पी ले।

नहीं माँ, मैं नहीं मानती। यह मेरा अपना घर है। यही सत्य है।

VI

कक्षा 10

शादी के कार्ड पर गुठली का नाम नहीं छपा। परिवार वालों के व्यवहार से गुठली बहुत दुखी हुई थी। अपने मन की बातें वह डायरी में लिखना चाहती है। उसकी मदद करें।

सूचनाओं की सहायता लें

आज का यह दिन मैं कभी नहीं भूलूँगी।

आखिर माँ ने अपने हाथ से कार्ड में मेरा नाम लिख दिया।

भैय्या के छोटे बच्चे के नाम भी कार्ड में छपा था।

घर की छोरियों के नाम कार्ड पर नहीं छपते।

Thiruvananthapuram Educational District

तारीख

आज का यह दिन मैं कभी नहीं भूलूँगी। ..... घर में सब खुश थे। दीदी की शादी की तैयारियाँ हो रही थीं। घर मेहमानों से भरा था। शादी के कार्ड भी छपके आए थे। मैं भी बहुत खुश थी। और बड़ी उत्सुकता से कार्ड खोली । कार्ड देख कर मैं दुख सह न पाई। भैय्या के छोटे बच्चे के नाम भी कार्ड में छपा था। ..... जो अभी बोल भी न सकता ।लेकिन मेरा नाम नहीं। मैंने सोचा कि भूल गया होगा। इसलिए ताऊजी से पूछ लिया तो मालूम हुआ कि. घर की छोरियों के नाम कार्ड पर नहीं छपते। मैं रोने लगी तो बुआ ने डाँटा। ये सब मानने को मैं तैयार नहीं थी। आखिर माँ ने अपने हाथ से कार्ड में मेरा नाम लिख दिया। ..... वह तो छपाई जैसी नहीं थी। फिर भी माँ का प्यार मैं समझ गई और मान गई।

अपने घर में भी लड़की के साथ इतना विवेचन क्यों ? इसके खिलाफ ज़रूर आवाज़ उठाना चाहिए।

VII

कक्षा 10

वाक्य पिरमिड़ की पूर्ति करें।

बातें करना
बुआ से

गुठली को पसंद नहीं।

गुठली को बातें करना पसंद नहीं।

गुठली को बुआ से बातें करना पसंद नहीं।

गुठली को बड़ी बुआ से बातें करना पसंद नहीं।

और भी
बातों से

गुठली हताश हो गई।

गुठली और भी हताश हो गई।

गुठली बातों से और भी हताश हो गई।

गुठली माँ की बातों से और भी हताश हो गई।

छोरियों का
घर की

नाम कार्ड पर नहीं छपते।

छोरियों का नाम कार्ड पर नहीं छपते।

घर की छोरियों का नाम कार्ड पर नहीं छपते।

अपने घर की छोरियों का नाम कार्ड पर नहीं छपते।

Thiruvananthapuram Educational District